(3)

2018

[This question paper contains 4 printed pages]

Your Roll No. : .....

Sl. No. of Q. Paper : **4992A** **HC**

Unique Paper Code : 62131201

Name of the Course : **B.A.(Programme) Sanskrit Discipline CBCS**

Name of the Paper : Sanskrit Prose

Semester : II

Time : 3 Hours ***Maximum Marks : 75***

Instructions for Candidates :

छात्रों के लिए निर्देश :

(a) Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

इस प्रश्न-पत्र के प्राप्त होने पर तुरंत शीर्ष पर अपना रोल नंबर लिखें।

(b) Unless otherwise required in a question answer should be written *either* in **Sanskrit** *or* in **English** *or* in **Hindi**; but the same medium should be used throughout the paper.

अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर **संस्कृत** या **अंग्रेजी** या **हिंदी** किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

(c) Answer **all** questions.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY Kalkaji, New Delhi-19

P.T.O.

1. Explain any **two** of the following with reference to the context : 2×8=16

निम्न में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(a) हरति च सकलमतिमलिनमप्यन्धकारमिव दोषजातं प्रदोषसमयनिशाकर इव गुरुपदेशः। प्रशमहेतुर्वयःपरिणाम इव पलितरूपेण शिरसिजजालममलीकुर्वन् गुणरूपेण तदेवपरिणमयति।

(b) अद्याप्यारूढमन्दरपरिवर्तावर्तभ्रान्तिजनितसंस्कारेव परिभ्रमति। कमलिनीसञ्चरणव्यतिकरलग्ननलिननालकण्टकक्षतेव न क्वचिदपि निर्भरमाबध्नाति पदम्।

(c) तथाहि-सततम् ऊष्माणम् आरोपयन्त्यपि जाड्यमुपजनयति। उन्नतिमादधानापि नीचस्वभावतामाविष्करोति। तोयराशिसम्भवापि तृष्णां संवर्द्धयति। ईश्वरतां दधायानाप्यशिवप्रकृतित्वमातनोति।

2. Write the poetic style of Banabhatta according to "शुकनासोपदेश"- 12

बाणभट्ट की गद्यशैली को शुकनासोपदेश के माध्यम से स्पष्ट करें।

OR/अथवा

Discuss the importance of ''गुरु-उपदेश'' according to"शुकनासोपदेश".

शुकनासोपदेश में वर्णित गुरु-उपदेश का महत्त्व बताइए।

3. Translate any **one** of the following : 6

निम्नलिखित में से किसी **एक** का अनुवाद कीजिए :

(a) अथ समापित-सन्ध्यावन्दनादिक्रिये समायाते गुरौ, तदाज्ञया नित्यनियम-सम्पादनाय प्रयाते गौरबटौ, छात्रगणसहकारेण प्रस्तुतासु च स्वागत-सामग्रीषु, ''इत आगम्यतां सनाथ्यतामेष आश्रमः'' इति सप्रणाममभिगम्य वदत्सु निखिलेष, योगिराज आगत्य तन्निर्दिष्ट-काण्ठ-पीठं भास्वानिवोदयगिरिमारुरोह, उपाविशच्च।

(b) ''अरुण एष प्रकाशः पूर्वस्यां भगवतो मरीचिमालिनः। एष भगवान् मणिराकाशमण्डलस्य, चक्रवर्ती खेचर-चक्रस्य, कुण्डलमाखण्डलदिशः, दीपको ब्रह्माण्डभाण्डस्य, प्रेयान् पुण्डरीक-पटलस्य, षोक-विमोकः कोकलोकस्य, अवलम्बो रोलम्बकदम्बस्य, सूत्रधारः सर्वव्यवहारस्य, इनश्च दिनस्य।

4. Discuss the prose style of अम्बिकादत्तव्यास according to Shivrajvijaya of first Nisvasa. 12

'शिवराजविजय के प्रथम निश्वास के आधार पर अम्बिकादत्तव्यास की गद्यशैली को स्पष्ट करें।

OR/अथवा

Write the summary of first Niśvâsa of Shivrajvijaya in your own words.

शिवराजविजय के प्रथम निश्वास का सार अपने शब्दों में लिखें।

5. Write short notes on any **six** by selecting **three** from each part : 6×2=12

प्रत्येक खण्ड में से किन्हीं **तीन** का चयन करते हुए कुल **छः** पर लघु टिप्पणियाँ लिखिए :

(a) गन्धर्वनगरलेखा, तिमिररोग, गन्धगजः, क्षीरसागरः, कौस्तुभमणि।

(b) मरीचिमालिनः, षण्णामृतूनाम्, पुष्पावचयं, कम्बुकण्ठः, समानवयः।

6. Write grammatical note on any **five** of the underlined words in question **1** and **3**. 5

प्रश्न संख्या **1** तथा **3** के किन्हीं **पाँच** रेखाङ्कित पदों पर व्याकरणात्मक टिप्पणी लिखिए।

7. Discuss the origin and development of Prose-Poetry explain in detail any **three** Prose - Poetry. 12

गद्यकाव्य परम्परा का उद्भव व विकास स्पष्ट करते हुए किन्हीं **तीन** गद्यकाव्यों का विस्तृत विवेचन करें।

OR/अथवा

Write notes on any **two** of the following :
निम्नलिखित में किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए :

बाणभट्ट, सुबन्धु, वेतालपंचविंशति, पुरुषपरीक्षा, पंचतन्त्र।